विवेकानन्द सेवा मण्डल, मलकापुर (मध्य रेल्वे)

बस स्टॅण्ड के सामने, विवेकानन्द नगर, मलकापुर-४४३१०१, जिला- बुलडाणा (महाराष्ट्र)

Email: vvk.aashram.malkapur@gmail.com

(रामकृष्ण मिशन द्वारा संचालित रामकृष्ण-विवेकानन्द भावप्रचार परिषद महाराष्ट्र-गोवा से संलग्न)

(SOCIETY REG.NO.451/1982, B.P.T. ACT REG. NO. F/521/BLD)

उन्नीसवीं सदी में श्रीरामकृष्ण परमहंस देव का अवतार इस पवित्र भारतवर्ष के भूमि पर हुआ। वे स्वामी विवेकानन्द के सद्‌गुरु थे। स्वामी विवेकानन्द के विशाल दृष्टी के कारण ही हिन्दुधर्म की किर्ती सारे संसार में पुन: प्रतिष्ठित हुई, विशेषत: पाश्चात्य जगत को वेदान्त की पहचान स्वामी विवेकानन्दजी ने करायी। श्रीरामकृष्ण देव की ही शक्ति स्वामीजी के माध्यम से कार्य करते हुए सारे संसार को सनातन वैदिक धर्म का यह संदेश दे रही है की 'आध्यात्मिक साधना के साथ ही गरीब और अभाव ग्रस्तों के लिए कार्य करों।' इस मन्त्र का स्वामीजीने पालन किया और लोगों को भी सिखाया। रामकृष्ण भावधारा के ''आत्मनो मोक्षार्थं जगद्धिताय च'' अर्थात स्वयं के मुक्ती और जगत के कल्याण हेतु, ''शिवभावे जीवसेवा'' माने जीवों को ईश्वर मानकर शिवबोध से सेवा और ''सर्वधर्म समन्वय'' ये मुख्य अंग है। विवेकानन्द सेवा मण्डल, मलकापुर इस भावधारा का एक अंग है। ''त्याग और सेवा ही जीवन है'' यह इस आश्रम का बोधवाक्य है।

श्रीरामकृष्ण-विवेकानन्द भावधारा से जुड़ने के लिए मलकापुरवासी भक्तों ने दिनांक १४ फरवरी १९८२ के शुभ मुहूर्त पर विवेकानन्द सेवा मण्डल की स्थापना की। दिनांक १ अप्रैल १९८२ को संस्था का पंजिकरण हुआ। आरम्भ में अत्यन्त छोटी जगह में श्रीरामकृष्ण, श्रीमाँ सारदादेवी तथा स्वामी विवेकानन्दजी की पूजा, भजन-कीर्तन, ग्रन्थ पठन आदि से कार्य का आरम्भ हुआ। सन् २००१ में संस्था स्वयं की ३५,००० चौ. फीट जगह पर आश्रम स्थानान्तरीत कर कार्य आरम्भ किया। आश्रम में नित्य पूजा-अर्चना, प्रार्थना, आरती, स्तोत्र पाठ के अलावा निम्नलिखित कार्यक्रम होते हैं:-

१. प्रत्येक एकादशी को सामुहिक रामनाम संकीर्तन होता है। इसके अतिरिक्त श्रीगुरुपौर्णिमा, श्रीदुर्गाष्टमी, श्रीकृष्णजन्माष्टमी, महाशिवरात्री, एवं श्रीरामकृष्णदेव, श्रीमाँ सारदादेवी तथा स्वामी विवेकानन्दजी के जन्मतिथीयों पर विशेष कार्यक्रम होते है। घटस्थापना से विजयादशमी तक नवरात्री में महिषासुरमर्दिनी स्तोत्र-पाठ भी किया जाता है।

२. स्वामी विवेकानन्द का जन्मदिन १२ जनवरी यह राष्ट्रीय युवा दिवस के रुप में प्रतिवर्ष बहुत उत्साह सें मनाया जाता है। चित्ररथ के साथ नगर के प्रमुख मार्गपर शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। यहाँ के युवक इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सम्मिलित होते हैं। इस अवसर पर २५ वक्ता विभिन्न २५ विद्यालयों में जाकर स्वामी विवेकानन्दजी के जीवन तथा दर्शन पर व्याख्यान देते हैं।

३. विशेष अवसरों पर रामकृष्ण संघ के कुशल संन्यासी, तथा अन्य सन्माननीय वक्ताओं के प्रवचनों का आयोजन किया जाता है।

४. आश्रम द्वारा एक ग्रन्थालय भी चलाया जाता है जिसमें विभिन्न प्रकार की पुस्तकें एवं दैनिक समाचार-पत्र वाचकों के लिए उपलब्ध है। यहाँ छात्रों के लिए अध्ययन-कक्ष की व्यवस्था है। यहाँ युवकों को प्रतियोगिता परीक्षा के लिए मार्गदर्शन भी दिया जाता है।

५. आश्रम द्वारा प्रतिवर्ष जरूरतमन्द विद्यार्थीयों को पुस्तकें, अभ्यास पुस्तिका, पोशाक तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया जाता है।

६. आश्रम द्वारा प्रति रविवार को बालक-बालिकायों के लिए 'बालकसंघ' नामक संस्कार कक्षा चलाई जाती है। इस कक्षा में बालक-बालिकायों को शारीरिक, बौद्धिक, नैतिक तथा आध्यात्मिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

७. समय समय पर मरीजों के लिए होमियोपॅथी तथा ॲलोपॅथी पद्धती से नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाता हैं।

८. श्रीरामकृष्ण-विवेकानन्द-वेदान्त साहित्य का प्रचार-प्रसार करने हेतु विभिन्न जगहों पर पुस्तक प्रदर्शनी का तथा स्वामी विवेकानन्द की जीवनी पर चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है।

९. संस्कृत भाषा तथा भारतीय शास्त्रीय संगीत के अध्ययन एवं प्रचार-प्रसार हेतु आश्रम प्रयासरत हैं।

१०. विशेष अवसरों पर वृद्ध महिलाओं को आश्रम की ओर से साडियाँ और ठण्ड के मौसम में अभाव ग्रस्तों को कंबलों का वितरण जाता हैं।

११. जुलाई २००६ में बाढ़ ग्रस्तों की सहायता हेतु रामकृष्ण मिशन, मुंबई के माध्यम से मलकापुर और पड़ोस के क्षेत्रों में रुपया ३,१३,०००/- का सेवा कार्य किया गया।

१२. अगस्त २००७ में इस आश्रम की २५वी वर्षगाँठ मनाई गयी। इस अवसर पर दो दिवसीय आध्यात्मिक शिविर का आयोजन किया गया। १५० भक्तों ने इस शिविर का लाभ उठाया।

१३. स्वामी विवेकानन्दजी की १५०वी जयन्ती के उपलक्ष्य में सन् २०१३ और २०१४ में रामकृष्ण मठ, नागपुर द्वारा आयोजित विवेकानन्द रथयात्रा का संचालन मलकापुर और उसके आसपास के स्थानों में बडे हर्षोल्लास के साथ किया गया।

विवेकानन्द सेवा मण्डल की भविष्य में योजनाएँ और अनुमानीत लागत इस प्रकार है-

१. मन्दिर की आन्तरिक मरम्मत	रु.	०२,००,०००
२. आश्रम के लिए चारदिवार	रु.	०४,००,०००
३. ग्रन्थालय तथा बालक-संघ के विकास	रु.	०२,००,०००
४. दो मंजिला भवन जिसमें ध्यान कक्ष, प्रवचन कक्ष, छात्रावास, वाचनालय, और दवाखाना	रु.	२५,००,०००
५. अध्ययन कक्ष तथा युवा मंच के लिए भवन निर्माण	रु.	१२,००,०००

उपरोक्त कार्यों के लिए दान सधन्यवाद स्वीकार किये जाते है। दिये हुए दान आयकर अधिनियम के धारा 80G (F.NO.CIT-I/80G/V-44/2013-14) के अन्तर्गत करमुक्त है। आप दान सेन्ट्रल बँक ऑफ इंडिया के हमारे खाता (Account no.2003402545 IFSC code: CBI No.280704 Vivekananda Sewa Mandal Malkapur) में सिधे जमा कर सकते हैं।

संपर्क-

श्री.प्रभाकर शंखपाल- ९४२१४९३३९७
श्री.मधुकर चौधरी- ९९२२९३९९४९
श्री.विनायक पाटील- ७५८८५२०९३१
श्री.अनन्त पाटील- ९४२३१४४३८९
श्री.बाळकृष्ण वराडे- ९४२३५६४६१३
श्री.धनराज पाटील- ७३५००४६४४३